Title : Need to take steps for declaration of Piparhawa (Kapilvastu) in district Siddharth Nagar, Uttar Pradesh as a World Heritage centre.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): गौतमबुद्ध की जन्मस्थली पिपरहवा, कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में प्रतिवÂर्ष लाखों की संख्या में राÂष्ट्रीय एवं अंतर्राÂष्ट्रीय पर्यटक आस्था के वशीभूत आते हैं। आज गौतमबद्ध के मानने वाले दुनिया के पैंतीस राÂष्ट्रों में मौजूद हैं। उनके लिए गौतमबुद्ध की जन्मस्थली अत्यंत महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। कोई भी गौतमबुद्ध में आस्था रखने वाला जब भारत के बुद्धिस्ट सर्किट बोध गया, बिहार, सारनाथ वाराणसी, कुशीनगर, श्रावस्ती आता है तो वह सिद्धार्थनगर में गौतमबुद्ध के जन्मस्थली कपिलवस्तु में अवश्य आता है। परन्तु पिपरहवा, कपिलवस्तु का अभी तक विकास न होने के कारण वहां आने वाला हर पर्यटक काफी निराश होता है। इस संबंध में वहां आने वाले राÂष्ट्रीय एवं अंतर्राÂष्ट्रीय पर्यटकों की आवश्यकताओं को देखते हुए गौतमबुद्ध संग्रहालय, वीथिका, स्मारक, शोध संस्थान, हवाई अड्डा तथा होटल का निर्माण होना चाहिये। गौतमबुद्ध के जन्मस्थली पिपरहवा का सम्यक रूप से विकास एवं ऐतिहासिकता को देखते हुए भारत सरकार को उक्त स्थल को विश्व हैरिटेज केन्द्र घोषित करने की कार्यवाही करनी चाहिए।